वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 | अंक : 291 | गुरुवार 16 फरवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

सरकारी कामकाज अब ऑनलाइन ही करने की तैयारी

सभी नगरीय निकायों में फायर एनओसी, नाम ट्रांसफर समेत 7 मामलों में ऑफलाइन आवेदन होंगे बंद

जयपुर. कासं

राजस्थान के सरकारी कामकाज में ऑनलाइन वर्किंग कल्चर को बढ़ावा देने सरकार ने अहम फैसला लिया है। राज्य की नगरीय निकायों (नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिकाओं) में अप्रैल से फायर एनओसी, नाम ट्रांसफर समेत 7 मामलों में ऑफ लाइन आवेदन बंद हो जाएंगे। इन काम के लिए अब लोगों को केवल ऑनलाइन आवेदन ही लिए जाएंगे। स्वायत्त शासन निदेशालय ने राज्य की सभी निकायों को एक अप्रैल से ऑफ लाइन आवेदनों के निस्तारण की प्रक्रिया को खत्म करने के निर्देश दिए है। निदेशालय के डायरेक्टर ह्रदेश कुमार की ओर से जारी आदेशों के मुताबिक लोगों की सुविधा और टाइम बाउंड काम हो इसके लिए ऑनलाइन वर्किंग सबसे अच्छी है। ऑनलाइन में व्यक्ति अपने आवेदन की स्थिति को आसानी से चैक कर सकता है कि उसकी फाइल अभी कहां है और किस स्टेज पर पहुंच गई है। ऑफलाइन में कई बार फाइल गुम हो जाने से आवेदक परेशान होते है, जबकि ऑनलाइन में आवेदन पत्र के गुम होने जैसी परेशानी होगी ही नहीं। निकायों में एक अप्रैल से मकान या भूखंडों के नाम ट्रांसफर, फायर एनओसी लेने, सीवर कनेक्शन लेने, ट्रेड लाइसेंस, मकानों के निर्माण की अप्रूवल, साइनेज लाइसेंस और मोबाइल टॉवर या ओएफसी की लगाने की अनुमति लेने के लिए आवेदन ऑनलाइन ही लिए जाएंगे।

प्रदेश में बढ़ने लगी गर्मी

5 से ज्यादा शहरों में टेम्प्रेचर 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचा; 20 फरवरी तक मौसम साफ रहेगा

जयपुर. कासं

राजस्थान में अब फिर से तापमान बढ़ने लगा है। अजमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, जोधपुर, बीकानेर समेत कइ शहरों में दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चले गए है। रात में भी सर्दी इन शहरों में सर्दी का असर कम हो गया और तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। मौसम केन्द्र जयपुर के मुताबिक अगले 5 दिन राज्य में मौसम शुष्क रहेगा और तापमान में इजाफा होगा। 21-22 फरवरी से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा और उत्तरी हवाओं के असर से एक बार फिर टेम्प्रेचर गिरने लगेंगे। मौसम केन्द्र जयपुर से जारी रिपोर्ट देखे तो आज उदयपुर, सीकर, पिलानी, जोधपुर, गंगानगर में रात का मिनिमम टेम्प्रेचर सिंगल डिजिट से बढ़कर डबल डिजिट यानी 10 डिग्री सेल्सियस से ऊपर आ गए। अजमेर में न्यूनतम तापमान 3 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 14 पर आ गया। इधर राजधानी जयपुर और जैसलमेर में भी टेम्प्रेचर 14 डिग्री सेल्सियस से नजदीक पहुंच गया। तापमान बढ़ने से इन शहरों में दिन और रात में सर्दी का असर बहुत कम हो गया। मौसम विशेषज्ञों ने 20 फरवरी तक राजस्थान में सर्दी

का असर कम रहने और तापमान बढ़ने की संभावना जताई है। उत्तर भारत में दो बैक टू बैक वेर्स्टन डिर्स्टबेंस आने से उत्तरी हवाएं रूक गई है, जिससे राज्य में तापमान बढ़ने लगे है। 21-22 फरवरी से जब इन सिस्टम का असर खत्म हो जाएगा तो एक बार फिर मैदानी राज्यों में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा।

॥ श्री शान्तिनाथाय नमः ॥
श्री 1008 शान्तिनाथ दिगम्बर जैन नया मन्दिर
फतेहपुर शेखावटी, जिलाः सीकर (राज.)
चौबीस मण्डलीय श्री श्री 1008
सिद्धचक्र महामण्डल विधान
27 फरवरी से 7 मार्च, 2023
आमंत्रण पत्रिका
स्थान : श्री दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर, बावड़ी गेट के पास,
फतेहपुर, शेखावटी,
जिला : सीकर (राज.)
परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज
निर्यापक मुनिश्री 108 सुधा सागर जी महाराज
मुनिश्री 108 प्रमाण सागर जी महाराज
फतेहपुर गौरव
धर्मप्रेमी बन्धुओं,
हमारे परम सौभाग्य से धर्मनगरी फतेहपुर शेखावाटी में फाल्गुन मास में सिद्धों की आराधना के फलस्वरूप श्री 1008 सिद्धचक्र महामण्डल विधान एवं विश्व शान्ति महायज्ञ का भव्य आयोजन दिनांक 27 फरवरी, 2023 से 7 मार्च, 2023 को श्री 1008 शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर जी में विराजमान अतिशयकारी 1008 महावीर भगवान की भव्य वेदी को 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 24 मण्डलीय श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान करने का हम सभी के भाव हुए हैं। संयम, तप, त्याग, साधना एवं परमेष्ठी भगवन्तों की आराधना के इस महा–महोत्सव में आप सपरिवार पधारकर असीम पुण्य लाभ की प्राप्ति करें।
परम संरक्षक एवं मंडल उद्घाटनकर्ता : श्री कन्हैयालाल जी सुरेन्द्र कुमार जी सेठी
दीप प्रज्वलनकर्ता : श्री धर्मचन्द जी श्रीमती ज्ञानमति देवी जी विजय कुमार जी राकेश कुमार जी मनोज कुमार जी मनीष कुमार जी समस्त बड़जात्या परिवार
ध्वजारोहणकर्ता : श्री मिश्रीलाल जी फूली देवी जी, महेश कुमार जी मंजूदेवी जी काला अंकित जी कीर्तिका जी काला
गंधकुटी पुण्यार्जक : पूज्य नानाजी एवं नानीजी की पुण्य स्मृति में श्री महेशकुमार जी श्रीमती मंजूदेवी जी काला
अखण्ड ज्योति पुण्यार्जक : श्री विशाल जी-श्रीमती अनुश्री जैन सुपुत्री श्री सज्जन कुमार जी, श्रीमती मीना देवी जैन बड़ोदा, मुम्बई
प्रतिष्ठाचार्य : पं. प्रदीप जी शास्त्री मंडावरा
सह-प्रतिष्ठाचार्य : पं. निशात जी शास्त्री
शिरोमणि संरक्षक एवं मंडप उद्घाटनकर्ता: श्री धर्मचन्द जी ज्ञानमती देवी जी बड़जात्या
द्रव्य एवं पूजन सामग्री पुण्यार्जक : स्व. श्री शुभकरण जी पहाड़िया परिवार श्री प्रदीप जी, राजकुमार जी, दिलीप कुमार जी, कमल कुमार जी पहाड़िया
अनुष्ठान के गौरवशाली पात्र
सौधर्म इन्द्र
भरत चक्रवर्ती
महा-यज्ञनायक
कुबेर
महेन्द्र इन्द्र
सनत कुमार इन्द्र
ईशान इन्द्र
यज्ञनायक
ब्रह्म इन्द्र
बाहुबली इन्द्र
श्रीपाल–मैना सुन्दरी
संचालक : श्री उमेश कुमार
संगीतकार : श्री आशिक जैन
नाट्य कलाकार : श्री आस्तिक जैन
मांगलिक–कार्यक्रम
दिनांक 27 फरवरी, 2023 (फाल्गुन शुक्ला अष्टमी)
प्रातः 6.30 बजे : देव आज्ञा, आचार्य निमंत्रण
प्रातः 7.00 बजे : मंगलाष्टक, अभिषेक– शांतिधारा,
प्रातः 8.00 बजे : ध्वजारोहण
प्रात : 8.30 बजे : घटयात्रा, मंडप शुद्धि, मंडल प्रतिष्ठा, सकलीकरण, इन्द्र प्रतिष्ठा, मंगल कलश स्थापना, जिन पूजा विधान प्रारम्भ
सायं 7.30 बजे : महाआरती, प्रतिक्रमण
सायं 8.00 बजे : भक्तामर आराधना, 48 दीपकों से (प्रतिदिन)
सायं 8.30 बजे : शास्त्र वचन (प्रवचन)
रात्रि 9.00 बजे : सांस्कृतिक कार्यक्रम नाट्य कला केन्द्र के साथ (प्रतिदिन)
दिनांक 28 फरवरी से 6 मार्च, 2023 तक (प्रतिदिन)
प्रातः 6.30 बजे : मंगलाष्टक, अभिषेक, शांतिधारा
प्रातः 7.00 बजे : नित्य पूजा, विधान प्रारंभ
सायं 7.30 बजे : प्रतिदिन महाआरती, प्रतिक्रमण
सायं 8.00 बजे : भक्तामर आराधना, 48 दीपकों से (प्रतिदिन)
रात्रि 8.30 बजे : शास्त्र वचन (प्रवचन)
दिनांक 7 मार्च, 2023 मंगलवार (पूर्णिमा)
प्रातः 6.30 बजे : मंगलाष्टक, अभिषेक, शांतिधारा, नित्य पूजन, सरस्वती पूजा–अर्चना आचार्य पूजन, विश्व शांति महायज्ञ,
चौबीस मण्डलीय विधान पुण्यार्जक परिवार
वात्सल्य भोजन पुण्यार्जक
पुण्यार्जक..तीन दिवसीय : श्री पन्नालाल जी, दौलतराम जी, सुरेश कुमार जी छाबड़ा परिवार निवासी फतेहपुर कोलकता
पुण्यार्जक..तीन दिवसीय : श्री मिश्रीलाल जी–फूली देवी जी, महेश कुमार जी–मंजू देवी जी काला निवासी धोद प्रवासी मणिपुर इम्फाल
पुण्यार्जक..एक दिवसीय : श्री कन्हैयालाल जी, नरेन्द्र जी, सुरेन्द्र जी, सत्येन्द्र जी, रजनीश जी (दीपक) विशाल, साहित्य सेठी औरंगाबाद, गया बिहार
पुण्यार्जक..एक दिवसीय : श्री जयनारायण जी, अशोक कुमार जी, राकेश कुमार जी, मुकेश जी पहाड़िया परिवार, निवासी फतेहपुर, प्रवासी सुरत
पुण्यार्जक..एक दिवसीय : श्री नेमीचन्द जी, धर्मचन्द जी पहाड़िया परिवार, निवासी फतेहपुर प्रवासी सुरत
पुण्यार्जक..एक दिवसीय : श्री शान्तिलाल जी, महेन्द्र कुमार जी बड़जात्या परिवार निवासी फतेहपुर प्रवासी गया
पुण्यार्जक..एक दिवसीय : श्रीमती शान्ति देवी, विनोद जी, प्रमोद जी सुबोध जी पहाड़िया परिवार (पटना फतेहपुर)
निवेदक : सकल दिगम्बर जैन समाज, फतेहपुर शेखावटी (राज.)
अध्यक्ष विजय कुमार पहाड़िया 93776-63097
स्वागताध्यक्ष विजय कुमार बड़जात्या 93777-60534
महामंत्री राम अवतार जैन सरावगी 98290-16350
मंत्री एवं संयोजक सुरेश कुमार गोधा 98281-41148
संचालनकर्ता नवरंगलाल बड़जात्या 85030-30338
सह–संयोजक राजेश कुमार छाबड़ा 92277-70700
सह–संयोजक नागरमल पहाड़िया 92651-99332
कोषाध्यक्ष सुजीत कुमार गोधा 70143-54053
व्यवस्था समितियाँ
वात्सल्य सत्कार : बाहर से पधारने वाले महानुभावों हेतु आवास एवं भोजन सहित स्थानीय अग्रवाल दिगम्बर जैन समाज एवं जैन समाज का सामूहिक सपरिवार का नाश्ता, भोजन (दोनो समय का) नियमित रुप से समारोह स्थल पर रखा गया है।
• anokhipatrika@gmail.com

विराट नगर पंचकल्याणक के लिए कृषि मंत्री को आमंत्रित किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

कृषि मंत्री राजस्थान सरकार लालचंद कटारिया को विराट नगर पंचकल्याणक के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर जयकुमार बड़जात्या एवं अन्य ।

आदिनाथ चिकित्सालय मे महिला चिकित्सक की सुविधा उपलब्ध

जयपुर. शाबाश इंडिया

आदिनाथ चिकित्सालय के बढ़ते कदम 'पहला सुख निरोगी काया' 15 फरवरी से आदिनाथ चिकित्सालय में एक समारोह मे समिति अध्यक्ष पवन त्नगीनात्न व मंत्री अनिल जैन, महिला मण्डल सदस्या, नवयुवक मण्डल से राजेश व अनिल तथा समाज के सदस्यों की उपस्थिति में प्रातः 8:00 बजे से 10:00 बजे तक महिला रोग विशेषज्ञ डा. मनीषा जैन द्वारा अपनी सेवाएं शुरू की । यह प्रत्येक बुधवार को निश्चित की गयी है। आज प्रथम दिन था लेकिन काफी संख्या में स्त्रियों द्वारा सेवाओं का लाभ लिया गया। इस कार्य के लिए राजेश बोहरा पुत्र आत्माराम बोहरा ने अपना सहयोग प्रदान किया।

जो वस्तु मात्र के परिवर्तन में सहायक हैं, वह काल द्रव्य है : डॉ सुनील संचय

शास्त्रसार समुच्चय चूर्णि सूत्राणि के आधार पर काल द्रव्य का विवेचन विषय पर प्रस्तुत किया शोधालेख

गणाचार्य विरागसागर ने लिखें हैं चूर्णि सूत्राणि... विरागोदय महोत्सव में हुई राष्ट्रीय विद्वत् संगोष्ठी

ललितपुर. शाबाश इंडिया

गणाचार्य श्री विरागसागर जी महाराज के विशाल संघ सान्निध्य एवं चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के मार्गदर्शन में शताधिक दिगम्बर जैन साधु-साध्वियों की मंगल सन्निधि में एकलव्य विश्वविद्यालय दमोह के तत्वावधान में विरागोदय महामहोत्सव पथरिया में राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी व विद्वत सम्मेलन आयोजित हुआ जिसमें देशभर से शताधिक विद्वान शामिल हुए। इस मौके पर राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी में नगर के डॉ सुनील जैन संचय ललितपुर ने 'शास्त्र सार समुच्चय चूर्णि सूत्राणि के आधार पर काल द्रव्य का विवेचन' इस विषय पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। डॉ सुनील संचय ने कहा कि आचार्य माघनंदी की प्रमुख कृति शास्त्र सार समुच्चय पर चूर्णि सूत्रों की रचना संस्कृत भाषा में की है। शास्त्र सार समुच्चय ग्रंथ आचार्य माघ नंदी की अनुपम कृति है इस पर आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज ने चूर्णि सूत्र लिखकर महत्वपूर्ण कार्य किया है। आप चार सौ शिष्य-प्रशिष्यों के नायक भी हैं। ग्रंथ में कुल 204 सूत्र हैं जिनपर आचार्य श्री ने तीन हजार से अधिक चूर्णि सूत्र लिखे हैं। उन्होंने विषय की प्रस्तुति करते हुए कहा कि जैनदर्शन में जीव, पुदगल, धर्म, अधर्म, आकाश, काल ये 6 द्रव्य माने गए हैं। जैन दर्शन में काल को स्वतंत्र द्रव्य माना हैं। जो वस्तु मात्र के परिवर्तन में सहायक हैं, उसे काल द्रव्य कहते हैं। यद्यपि परिणमन करने की शक्ति सभी पदार्थों में हैं, किन्तु बाह्य निमित्त के बिना उस शक्ति की व्यक्ति नहीं हो सकती।जैसे कुम्हार के चाक के घूमने की शक्ति मौजूद है, किन्तु कील का सहारा पाये बिना वह घुम नही सकता, वैसे ही संसार के पदार्थ भी काल द्रव्य का सहारा लिये बिना वह घूम नहीं सकता। वैसे ही संसार के पदार्थ भी काल द्रव्य का सहारा लिए बिना परिवर्तन नहीं कर सकते। अतः कालद्रव्य उनके परिवर्तन में सहायक हैं। किन्तु वह भी वस्तुओं को बलात परिणमन नहीं कराता है, किन्तु परिणमन करते हुए द्रव्यों को सहायक मात्र हो जाता है। साइंस ने जीव आदि में नवीन अवस्था से प्राचीन अवस्था बनने रूप परिवर्तन का माध्यम काल नाम का द्रव्य माना है। जैन दर्शन में काल द्रव्य को परमाणु के आकार का अर्थात एक प्रदेशी मानते हैं। काल द्रव्य को अन्य दार्शनिकों ने भी माना है किंतु उन्होंने व्यवहार काल को ही कालद्रव्य मान लिया है। कालद्रव्य नाम की अणु शक्ति रूप वस्तु को केवल जैनदर्शन ने ही स्वीकार किया है। अपने जीवन को उन्नत बनाने के लिए काल की सामर्थ्य को पहिचान कर सत की ही प्राप्ति करने का प्रयत्न करें। इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. नरेन्द्र जैन गाजियाबाद ने की तथा संचालन ब्रह्मचारी डॉ. अनिल जैन प्राचार्य आचार्य संस्कृत महाविद्यालय जयपुर ने किया। सारस्वत अतिथि प्रोफेसर ऋषभ चंद्र फौजदार दमोह रहे। इस मौके पर संगोष्ठी के निदेशक डॉ. श्रेयांस जैन बड़ौत, संयोजक पंडित विनोद रजवांस, प्रोफेसर फूलचंद्र प्रेमी वाराणसी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी में प्रोफेसर डॉ. अशोक वाराणसी, प्रोफेसर जय कुमार उपाध्ये श्रवणबेलगोला कर्नाटक, प्रोफेसर विजय लखनऊ, डॉ. सुरेन्द्र भारती बुरहानपुर, प्रोफेसर प्रेमसुमन उदयपुर, डॉ ज्योति खतौली, डॉ. आशीष बम्होरी, डॉ. आशीष शास्त्री दमोह , मुकेश शास्त्री आदि शताधिक मनीषी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

वेद ज्ञान

जीवन के भाव

भाव का ब्रह्मकमल अभाव की दुर्गम पहाड़ियों पर खिलता है। प्रभु की अनुकंपा व साधना से गंतव्य की प्राप्ति, भक्त व भक्ति की कठिन परीक्षा के उपरांत ही होती है। जो वस्तु व गंतव्य जितना महत्वपूर्ण और जितना दूर होगा, उसकी प्राप्ति में उतने ही अधिक समय, परिश्रम, धैर्य और साधना की आवश्यकता होगी। दयासिंधु भगवान जिसको जिस योग्य समझते हैं, उन्हें उनकी योग्यताओं के अनुरूप दायित्वपूर्ण भूमिकाएं सौंपते चले जाते हैं। ईश्वर कभी भी अपने भक्त को कुछ भी अनिष्टकारी वस्तु उपहार में नहीं देते, अज्ञानतावश हम उसे बुरा व अनिष्टकारी समझ बैठते हैं। जीवन में निर्मलता, मन, कर्म व सोच की पवित्रता हमें ईश्वर की दया व कृपा के निकट लाती है, जबकि मन की चालाकी, विचार की अपवित्रता और दूसरों के प्रति रचे गए षड्यंत्रों का मकड़जाल हमें अपने मार्गों में मिलने वाली असफलताओं से वंचित करता है। यदि पर्याप्त प्रयासों के बावजूद सफलता नहीं मिल रही है तो निश्चित जानिए कहीं न कहीं आपके विचार, कर्म व सोच में अपवित्रता है। हम जितना प्रयास दूसरों के असफल होने के लिए करते हैं, हमारी सफलताएं हमसे दूर होती जाती हैं। मनुष्य केपास जो आज उसका वर्तमान उपस्थित है, वह उसके अतीत के कर्मों की पूंजी है। आज का कर्म भविष्य की पूंजी होगी। हम आने वाले कल में सुखी रहना चाहते हैं या दुखी, यह सोच कर अगर हम अपने कार्यों, सोच व वाणी की दिशा का निर्धारण करें तो जीवन में कभी भी पश्चाताप, दुख और पीड़ा का अनुभव न करना पड़े। जिसकेजीवन के कर्म और लक्ष्य की नींव झूठ पर आधारित हो तो उसकी जीवन-झोली में ईश्वर असफलता, दुख, आपदा व कष्ट के अलावा भला डाल ही क्या सकते हैं? ईश्वर हमेशा हमें हमारे कर्मों की बोई हुई फसल का ही पारिश्रमिक अवसर व जीवन के उपहार के रूप में लौटाते हैं। आखिर मन, कर्म व वाणी से हमने जीवन के प्लॉट में जो कुछ बोया होगा, काटने के लिए भी तो हमें वही फसल मिलेगी। आज आपके पास जो भी सफलता व असफलता है, उसके जिम्मेदार केवल और केवल आप ही हो। इसलिए ऐसे कर्म बीज बोएं, जिनकी उपज की प्राप्ति से हमे भावी जीवन में आनंद, गर्व और असली सुख की अनुभूति हो।

संपादकीय

आम निवेशकों की पूंजी कितनी सुरक्षित है?

अडाणी समूह पर 'हिंडनबर्ग रिसर्च' का खुलासा सामने आने के बाद स्वाभाविक ही आर्थिक हलकों में एक तरह की अनिश्चितता और उथल-पुथल देखी जा रही है। इसमें अडाणी समूह को हुए तात्कालिक नुकसान से जाहिर है कि उसके कारोबार को लेकर विश्वसनीयता में तेज गिरावट आई है। मगर इस सबके बीच अहम पक्ष यह है कि अडाणी समूह के कारोबार पर भरोसा करके पैसा लगाने वाले आम निवेशकों की पूंजी कितनी सुरक्षित है या फिर उस पर कितना जोखिम है। इसी के मद्देनजर दो जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने शेयर बाजार में निवेशकों को हुए नुकसान पर चिंता जताई। साथ ही अदालत ने केंद्र सरकार और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड यानी सेबी से पूछा कि मौजूदा नियामक तंत्र को कैसे मजबूत किया जाए, ताकि भविष्य में निवेशकों के हित को सुरक्षित रखा जा सके। गौरतलब है कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद बाजार में मची उथल-

पुथल के बीच अडाणी समूह के शेयरों की कीमतों में लगातार गिरावट आ रही है और कंपनी के मूल्य में भारी कमी आई है। यह जगजाहिर तथ्य है कि आज बाजार का जो स्वरूप हो चुका है, उसमें पूंजी भारत से निर्बाध रूप से कहीं भी आ-जा रही है। एक तरह से ज्यादातर लोग अब बाजार में हैं और ऐसे में सबसे ज्यादा जोखिम में वह आम निवेशक है, जो भरोसा करके कहीं भी कुछ निवेश करता है। अगर इस समूची गतिविधि में निवेशकों के हित की सुरक्षा के लिए कोई मजबूत तंत्र नहीं होगा, तो यह ढांचा ढह सकता है और इसका सबसे ज्यादा नुकसान आम लोगों को ही होगा। इस लिहाज से देखें तो निवेशकों के पक्ष से सुप्रीम कोर्ट का यह सवाल वाजिब है कि हम कैसे सुनिश्चित करेंगे कि वे सुरक्षित हैं और भविष्य में ऐसा फिर नहीं होगा। यों सेबी ने अदालत को बताया है कि बाजार नियामक और अन्य वैधानिक निकाय आवश्यक कार्रवाई कर रहे हैं, मगर अर्थतंत्र और शेयर बाजार की जटिलताओं को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि इस संबंध में एक सुचिंतित व्यवस्था की जरूरत तुरंत है। दरअसल, ''हिंडनबर्ग रिसर्च'' की रिपोर्ट में अडाणी समूह पर पूंजी और कंपनी के आंकड़ों से जुड़ी अनियमितताओं के जैसे आरोप लगाए गए, उसे अडाणी समूह ने दुर्भावनापूर्ण बता कर खारिज कर दिया। मगर सिर्फ इतने भर से इसके कई तरह के असर सामने आने तय हैं। शायद इसी तरह की आशंकाओं के मद्देनजर अदालत की पीठ ने निवेशकों की सुरक्षा के लिए मजबूत नियामक तंत्र को लागू करने के अलावा एक विशेषज्ञ समिति का भी प्रस्ताव रखा है, जिसमें प्रतिभूति क्षेत्र, अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग क्षेत्र के विशेषज्ञ और एक पूर्व न्यायाधीश के रूप में मार्गदर्शक व्यक्ति शामिल हो सकते हैं। 'हिंडनबर्ग रिसर्च' की रिपोर्ट का असर कितने वक्त रहेगा और किस अन्य रूप में सामने आएगा, कहा नहीं जा सकता लेकिन अब तक बाजार में जो उतार-चढ़ाव हुआ है, उसकी जटिलताओं पर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं देने की वजह से सामान्य निवेशकों को इसका खमियाजा उठाना पड़ सकता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सबका साथ

कल्याणकारी सरकार का पहला गुण यही है कि वह सभी समुदायों को साथ लेकर चले और सबके लिए समान विकास की योजनाएं बनाए। इसी मकसद से प्रधानमंत्री ने सबका साथ सबका विकास का नारा दिया था। समय-समय पर इस जरूरत को रेखांकित करते और इसी के मुताबिक योजनाएं तैयार करने का प्रयास भी करते रहे हैं। अभी मुंबई में दाउदी बोहरा समुदाय के एक कार्यक्रम में हिस्सा लेकर जिस तरह उन्होंने इस समुदाय के साथ अपने दशकों पुराने संबंध का उल्लेख किया, उससे एक बार फिर यही जाहिर हुआ कि वे मुसलिम समुदाय से भी उतना ही जुड़ाव महसूस करते हैं, जितना दूसरे समुदायों से। वे बार-बार रेखांकित कर चुके हैं कि देश का सर्वांगीण विकास तब तक संभव नहीं है, जब तक मुसलिम समुदाय को भी साथ लेकर न चला जाए। जब फिल्म उद्योग पर संकीर्ण हमले शुरू हुए थे, तब भी उन्होंने इस बात पर बल दिया था। मगर भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी संगठन इस तकाजे को कितनी अहमियत देते हैं, यह मूल्यांकन का विषय है। यह आरोप आम है कि भाजपा के नेता और कार्यकर्ता मुसलिम समुदाय को लक्ष्य बना कर उपद्रव करने का प्रयास करते हैं। ऐसे अनेक नेताओं के नाम इस कड़ी में लिए जा सकते हैं। वे प्रधानमंत्री में आए इस बदलाव से कितना प्रभावित होंगे, देखने की बात है। लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं। इसकी तैयारियों में भाजपा जुट गई है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में इसके लिए प्राथमिक रणनीति भी बना ली गई। अभी तक यही तथ्य है कि मुसलमान मतदाता भाजपा से दूरी बनाए रखते हैं। कई जगहों पर इसका नुकसान भी भाजपा को उठाना पड़ता है। इस दृष्टि से कुछ लोग कह सकते हैं कि चुनाव नजदीक आता देख प्रधानमंत्री मुसलमानों को अपने पाले में करने के लिए ऐसा कह रहे हैं और उनके कार्यक्रमों में भी शिरकत कर रहे हैं। जो भी हो, अगर प्रधानमंत्री का अनुकरण करते हुए भाजपा अपने विचारों और व्यवहार में बदलाव करती है, तो निस्संदेह इसका लाभ उसे मिलेगा। मगर इसके लिए उसे हिंदुत्व का मोह त्यागना पड़ेगा। वह कैसे होगा, इस पर पार्टी को नए सिरे से रणनीति बनानी होगी। प्रधानमंत्री जिस विकास की बात करते हैं, हकीकत यही है कि उससे मुसलिम समुदाय को अलग नहीं किया जा सकता। औद्योगिक उत्पादन में इस समुदाय का बड़ा योगदान है, जिसे अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। अनेक ऐसे पेशे हैं, जो इसी समुदाय के बल पर टिके हुए हैं, उन्हें विकास की कड़ी से हटाया नहीं जा सकता। प्रधानमंत्री इस हकीकत से वाकिफ हैं, पर भाजपा के दूसरे नेता और कार्यकर्ता इसे कब स्वीकार करेंगे, देखने की बात है। यह ठीक है कि भाजपा का प्रमुख चेहरा प्रधानमंत्री हैं और उन्हीं के करिश्माई व्यक्तित्व के बल पर पार्टी को सफलता मिलती रही है। मगर पार्टी का टिकाऊपन उसके सैद्धांतिक और व्यावहारिक पक्षों से तय होता है। व्यवहार में पार्टी के बहुत सारे नेताओं और कार्यकर्ताओं का रुख मुसलिम विरोधी ही नजर आता रहा है। इसे बदलने का प्रयास पार्टी नेतृत्व ही कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले तो अपने नेताओं और कार्यकताओं के व्यवहार में संयम और समन्वय लाने का प्रयास करना होगा। ऐसे में प्रधानमंत्री के सबका साथ और सबका विकास का सूत्र बहुत कारगर साबित हो सकता है।

समग्र विकास समृद्ध समाज

श्री दिगम्बर जैन महासमिति

पुरुष एवं महिला वर्ग का

राष्ट्रीय अधिवेशन

श्री महावीरजी (राज.)

दिनांक 18 व 19 मार्च, 2023

आप सादर आमंत्रित है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष
मणीन्द्र जैन
नई दिल्ली
98100-43108

राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला
शीला जैन डोड्या
जयपुर
93141-73436

राष्ट्रीय महिला संयोजिक
मंजू अजमेरा
इन्दौर
93010-76831

राष्ट्रीय संयोजक
रीचा जैन
नागपुर
98222-21951

आपकी सहभागिता ही होगी अधिवेशन की सफलता..

अपने-अपने सम्भागीय पदाधिकारियों अंचल पदाधिकारियों से सम्पर्क कर दिनांक 20 फरवरी, 2023 तक अपना रजिस्ट्रेशन अवश्य रुप से करावायें

उपाध्याय श्री ऊर्जयंत सागर जी महाराज का पारस विहार मुहाना मंडी मे मंगल प्रवेश हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य विमल सागर जी महाराज के परम शिष्य उपाध्याय श्री ऊर्जयंत सागर जी महा मुनिराज ने 14 फरवरी को चौमें बाग सांगानेर पारसनाथ मंदिर से विहार कर एस एफ एस दिगंबर जैन मंदिर में सायकाल 5:00 बजे भव्य मंगल प्रवेश किया।

मंदिर समिति अध्यक्ष डॉ राजेश काला, महामंत्री सौभाग्य मल जैन, महिला मंडल अध्यक्ष उर्मिला पाटनी, मंत्री उषा पापड़ीवाल, युवा मंडल अध्यक्ष संदीप गंगवाल, मंत्री जिनेंद्र जैन वह समाज के सभी गणमान्य लोगों ने गुरुदेव की पाद प्रक्षालन व भव्य आरती की।

15 फरवरी को उपाध्याय श्री के सानिध्य में नित्य नियम अभिषेक शांति धारा की गई। शांति धारा का पुण्य मौका अशोक कुमार रोहित कुमार कासलीवाल परिवार सुमेर नगर ने प्राप्त किया। 8:30 बजे धर्म सभा में श्रीमती इंदु सोगानी के द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया है। दीप प्रज्वलन अरुण रेवड़ी वाले वह गुरुदेव के परम भक्त नवीन जैन द्वारा किया गया। गुरुदेव ने प्रवचन में गांधीजी के तीन बंदर की जगह 4 बंदरों का उदाहरण देकर समाज को बताया कि बुरा मत देखो बुरा मत सुनो बुरा मत कहो के अलावा चौथा और जो महत्वपूर्ण उद्देश्य है वह बुरा मत सोचो मनुष्य के सोचने के स्वभाव का ही बाकी तीनों परिणाम है। शास्त्र भेंट डॉ टीकम चंद, दीपक, श्रीमती विमला बाकलीवाल परिवार को, पाद प्रक्षालन ज्ञान चंद, सुधीर पाटनी, कैलाश बिहार परिवार को यह सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ। मंदिर समिति के महामंत्री सौभाग मल जैन ने बताया कि गुरुदेव का आज ही मंगल विहार पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर मुहाना मंडी के लिए दोपहर 3:30 पर विहार हुआ जहां पर गुरुदेव के सानिध्य में अष्टाथानिका का भव्य कार्यक्रम किया जाएगा।

विराट नगर पंच कल्याण का पोस्टर विमोचन कराया

जयपुर. शाबाश इंडिया। असम के नवनियुक्त राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को विराट नगर पंचकल्याणक के लिए आमंत्रित किया एवं पोस्टर का विमोचन कराया। इस अवसर पर संतोष संघी, जयकुमार बडजात्या, प्रवीण बड़जात्या, प्रतीक जैन वैशाली नगर जयपुर उपस्थित रहे।

दिगंबर जैन महासमिति मानसरोवर संभाग जयपुर ने नि:शुल्क भोजन वितरण किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन महासमिति मानसरोवर संभाग जयपुर ने आज संभाग की विशिष्ट एवं सक्रिय सदस्या श्रीमती ललिता जैन बाकलीवाल के जन्मदिवस के उपलक्ष्य पर थडी मार्केट पर नि:शुल्क भोजन वितरण किया गया। इस अवसर पर महासमिति मानसरोवर संभाग के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार साह ने बताया कि इस अवसर पर महासमिति राजस्थान अंचल के अध्यक्ष अनिल जैन आईपीएस रिटायर्ड, महामंत्री महावीर जैन बाकलीवाल, कार्याध्यक्ष डॉ णमोकार जैन, मानसरोवर संभाग के मंत्री सोभागमल जैन, कोषाध्यक्ष ज्ञान चंद जैन, श्रीमती आशा साह, श्रीमती स्मिता जैन के अलावा संभाग गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

Happy Anniversary

श्री राहुल-ज्योति जैन

जैन सोश्यल ग्रुप महानगर के सम्मानित सदस्य

को वैवाहिक वर्षगांठ की बहुत-बहुत बधाइयां

मोबाइल: 9929090643

शुभकामनाओं सहित

संजय छाबड़ा 'आवा' अध्यक्ष | प्रदीप जैन संस्थापक अध्यक्ष | अनुज जैन सचिव

समस्त जैन सोश्यल ग्रुप महानगर परिवार

हमारे तीर्थों पर ग्रहण लग गया पर समाज सोई हुई है...

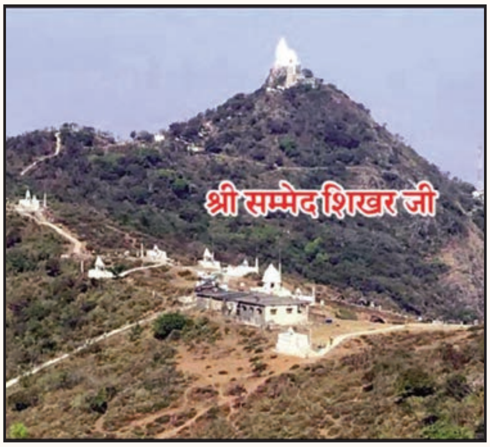

डा.अखिल बंसल

जैन आगम में साधु परमेष्ठी को चलते-फिरते सिद्ध निरूपित किया गया है। अंतर्मना के नाम से प्रसिद्धि प्राप्त नग्न दिगंबर जैन संत प्रसन्न सागर जी के मुखारविंद से जो भाव प्रकट हुए हैं वह जैन समाज के मुंह पर करारा तमाचा है । क्या इस समाज का शीर्षस्थ नेतृत्व जड़ हो गया है जो किंकर्तव्यविमूढ़ भीष्म पितामह की तरह सब कुछ लुटता देखते हुए भी मौन है। एक बार आप भी सुन लीजिए अंतर्मना की वेदना। ''आज कुर्सी पर बैठे हमारे नेताओं को माला, पैसा और सम्मान ही चाहिए । बड़ी-बड़ी क्षेत्र की कमेटियां आज यही चाहती हैं कि उन्हें पैसा मिलता रहे और दुनियां जाए? क्या सारी कमेटियां ऐसी हैं ? उनका कहना है- बिल्कुल जैसे गोबर पर चांदी का बर्क चढ़ा हो। उन्होंने कहा कि- आज दिगंबर तीर्थ क्षेत्र हों या उनको चला रही कमेटियां। तीर्थ क्षेत्रों पर वहां की कमेटियों की व्यवस्था एकदम लचर है। खिड़कियों पर कांच नहीं मिलेगा, नल पर छन्ना नहीं होगा, दरवाजे में चटकनी नहीं होगी, बिस्तर पर खोल नहीं होगा और वही श्वेतांबर समाज की धर्मशाला में आप देख कर हैरान हो जाते हैं। वह जितना दान लेते हैं उतना ही समाज को देते हैं पर दिगंबर तीर्थों पर कमेटियां उसका 5 पैसा भी व्यवस्था में नहीं देती यह एक कटु सत्य है जिसे जैन समाज के शीर्ष नेतृत्व को समझ जाना चाहिए। आज हमारे नेतृत्व की कमजोरी के कारण ही हमारे तीर्थ गिरनार जी, पालीताणा, सम्मेद शिखर , रणकपुर व केसरियाजी को ग्रहण लग गया है पर हमारी उदासी दूर नहीं हुई । भला हो संजय जैन का जिसने जैन विश्व संगठन के बैनर पर सम्मेद शिखर प्रकरण को आंदोलन का रूप देने में कोई कसर नहीं रखी। गिरनार जी की दशा दयनीय है। गिरनार जी के नाम पर अकूत धन राशि एकत्रित की गई थी वह राशि गई कहां निर्मल ध्यान केन्द्र के निर्माण में या बण्डीलाल कारखाने के भरण पोषण में ? वहां पहली टोंक के अलावा हमारा अस्तित्व ही नजर नहीं आता वह भी एक छोटे से जिनालय के रूप में । दूसरी, तीसरी, चौथी एवं पांचवीं टोंक में व्यवस्था के नाम पर लगता ही नहीं कि कहीं पर भी हम अपने दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं । इन टोंकों की व्यवस्था के लिए कौन जिम्मेदार है तीर्थ क्षेत्र कमेटी या बण्डीलाल कारखाना? कोर्ट में केस चल रहा है पर न्याय व्यवस्था कितनी लचर है। गिरनार मामले में नौं दिन चले अढ़ाई कोस पर वहीं मथुरा हो या काशी कोर्ट में तुरंत सुनवाई हो रही है । पालीताना में भगवान आदिनाथ की प्रतिमा क्षतिग्रस्त कर दी गई पर राज्य सरकार द्वारा कमेटी के गठन के अतिरिक्त अब तक कुछ हाथ नहीं लगा ।

आज भाजपा शासन में है पर जब वह विरोधी दल के रूप में थी तब वहां क्या- क्या घोषणाएं नहीं की थीं। हम पालीताना को अहिंसा नगरी बनाएंगे, जैन विश्वविद्यालय बनाएंगे पर सत्ता में आते ही वही ढाक के तीन पात। रणकपुर तीर्थ को राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने जैन समाज को ठेंगा दिखाते हुए छल पूर्वक उसे राज्य सरकार के नाम हस्तांतरित कर लिया और जैन समाज देखती रह गई । कोर्ट के आदेश को भी सरकार ने धता बता दिया । यह सब वोट बैंक के कारण हो रहा है । केसरिया जी का भी हाल किसी से छुपा नहीं है जैन समाज कोर्ट में जीतने के बाद भी कुछ हासिल नहीं कर पा रही है और राज्य सरकार राजस्व में बढ़ोतरी कर अपना उल्लू सीधा कर रही है। तीर्थराज सम्मेद शिखर पर केन्द्र व राज्य सरकारें अपनी अपनी चालें चलकर हमें आदिवासी समुदाय से लड़ा कर अपना उल्लू सीधा कर रही हैं; अब हम जाएं तो जाएं कहां ? जब बाड़ ही खेत को खाएगी और रक्षक ही भक्षक की नीति पर आमादा हो जाएंगे तो समाज का भगवान ही मालिक है। हमारे नेतृत्व की आंखें अब खुल जाना चाहिए और दिगम्बर श्वेतांबर मिलकर या तो अहिंसक समुदाय के साथ गठबंधन कर राजनीतिक पकड़ बनाना चाहिए या अल्पसंख्यक समुदाय के साथ मिलकर अपनी आवाज बुलंद करना चाहिए। एक राष्ट्रीय स्तर पर दैनिक पत्र का प्रकाशन भी होना चाहिए जिसके प्लेटफार्म पर समय समय पर अपनी आवाज उठाई जा सके। नव निर्माण की अपेक्षा अपनी धरोहर का संरक्षण हम सबका प्रथम ध्येय होना चाहिए।

कोटा डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो अकैडमी ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

कोटा. शाबाश इंडिया

कोटा डिस्ट्रिक्ट ताइक्वांडो अकैडमी के खिलाड़ियों द्वारा आज 14 फरवरी के दिन पुलवामा में हुए आक्रमण में शहीद हुए भारतीय सैनिकों की चौथी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि के स्वरूप मोमबत्ती जलाकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई व कैंडल मार्च निकाली गई। साथ ही 1 मिनट का मौन रखा गया। अध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि वह दिन बड़ा दुखदाई था जब भारत देश के सैनिक शहीद हुए। उनकी शहादत कभी भी बुलाने योग्य नहीं और उनके बलिदान को आज के बच्चों को जानना अति अनिवार्य है। कैंडल मार्च व मौन जैसी गतिविधियों के द्वारा खिलाड़ियों में जागरूकता पैदा करने व देशभक्ति की भावना को बढ़ाने के लिए वे सदैव प्रयासरत हैं। प्रतिवर्ष आज के दिन बच्चों में देशभक्ति की भावना बढ़ाने के लिए कोई न कोई गतिविधि अनिवार्य रूप से अकैडमी में की जाती है वह सभी खिलाड़ी उसमें अग्रसर होते हैं।

विरागोदय महामहोत्सव मे राष्ट्रीय शोध प्रतिभा सम्मान समारोह हुआ सम्पन्न

शोधार्थियों को किया सम्मानित

राजेश रागी/रत्नेश जैन बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

पथरिया, दमोह। यहां के विरागोदय तीर्थ धर्मधाम पर विश्व के इतिहास मे प्रथम बार विविध कार्यक्रम के साथ आयोजित महामहोत्सव के अवसर पर चौदहवें दिवस एकलव्य विश्वविद्यालय दमोह के तत्वावधान में भारतगौरव गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज ससंघ की 300 से अधिक पिच्छीधारी साधु साध्वियों के मंगल सानिध्य में आर्यिका विरम्याश्री माता जी एवं आर्यिका विसंयोजनाश्री माताजी के निर्देशन में राष्ट्रीय शोध प्रतिभा सम्मान समारोह एकलव्य विश्वविद्यालय दमोह की कुलाधिपति डॉ सुधा मलैया की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुआ। इस समारोह में देश के अनेक विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर, असोसिएट प्रोफेसर एवं शोधार्थी सम्मिलित हुए और शोधार्थियों ने अपने शोधालेख प्रस्तुत किये जिसमें कुलाधिपति डॉ सुधा मलैया ने सभी को मार्गदर्शन प्रदान किया । विरागोदय समिति एवं गुरु माँ परिवार, मामा का बाजार ग्वालियर ने सभी शोधार्थियों को सम्मानित किया । इस कार्यक्रम में आचार्य गोपालदास बरैया संस्कृत महाविद्यालय मुरैना के प्राचार्य हरिश्चन्द्र जैन शास्त्री, लोकेश खरे समन्वयक हिंदी राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल, डॉ आशीष कुमार जैन संस्कृत विभाग एकलव्य विश्वविद्यालय दमोह, डॉ अभिषेक कुमार जैन हिंदी विभागाध्यक्ष एकलव्य विश्वविद्यालय की विशेष उपस्थिति। इस सम्मान समारोह में डॉ प्रफुल्ल जैन मथुरा, डॉ वीरेंद्र जैन व डॉ अल्पना ग्वालियर, डॉ महेंद्र कुमार मनुज इंदौर, डॉ भारती व डॉ श्वेता भोपाल, नीतू व डॉ मनीषा लाडनूं, ब्र. मंजू जोहरी, डॉ अभिलाषा, डॉ रचना सागर, डॉ अभिषेक जैन विदिशा, डॉ सुरभि जैन सतना, प्राचार्य राजेश भिंड, राखी बामोर, डॉ मनोज निर्लिप्त अलीगढ़, डॉ सुदेश वाला जबलपुर, डॉ वीरचंद्र जैन उदयपुर, अभिषेक घुवारा टीकमगढ़, सहित अनेक शोधार्थियों के शोध प्रबंध लेखन हेतु सम्मानित किया गया। समारोह मे सम्मानित डॉ प्रफुल्ल जैन मथुरा ने अपने शोध के बारे में प्रस्तुति दी जिसे कुलाधिपति डॉ सुधा मलैया ने प्रशंसा करते हुए प्रोत्साहित किया और एक प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए आमंत्रित भी किया । साथ ही डॉ प्रफुल्ल द्वारा प्रस्तुत शोध कार्य के लिए समस्त उपस्थित महानुभावों ने सराहना की। डां प्रफुल्ल अपने शोध कार्य में डीप लर्निंग और मशीन लर्निंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्निक को जैन धर्म के सिद्धांतों को समझने में और उन सिद्धांतों को विश्व तक पहुंचाने में अपना विशेष योगदान देना चाहते हैं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर '**शाबाश इंडिया**' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्री संजय-ज्योति छाबड़ा

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के सम्मानित सदस्य

मोबाईल नम्बर 9314870130

की वैवाहिक वर्षगांठ (16 फरवरी) पर

हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका, परामर्शक: दिनेश-संगीता गंगवाल

कार्याध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, सचिव: अनिल - निशा संघी, कोषाध्यक्ष: अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

स्वच्छता दौड़ कार्यक्रम का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

स्वच्छता का शहर में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए नगर निगम ग्रेटर जयपुर, नूपुर संस्थान तथा अमर जैन अस्पताल WHC वैशाली नगर के तत्वावधान में स्वच्छता दौड़ कार्यक्रम का 14 फरवरी 2023 को आयोजन प्रातः काल 6:00 बजे रखा गया था। इस कार्यक्रम में हर प्रतिभागी को टी-शर्ट, टॉफी, डब्ल्यू एच सी हेल्थ कार्ड (जिसमें आपको 30000 तक चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध किये जायेंगे), वाटर बोतल, बैग इत्यादि दिए गए थे। वार्म अप सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ आदरणीय सौम्या गुर्जर, महापौर ग्रेटर का स्वागत, अमर जैन अस्पताल WHC, वैशाली नगर के व्यवस्थापकों का स्वागत, उनका उद्बोधन, आयुक्त नगर निगम ग्रेटर का उद्बोधन एवं प्रख्यात वक्ता डॉ. श्री शुद्धात्म प्रकाश जी भारिल्ल साहब का उद्बोधन हुआ। तत्पश्चात दौड़ का आयोजन रखा गया। दौड़ की कुल अनुमानित दूरी 10 किलोमीटर थी लेकिन प्रतिभागियों को अपनी इच्छा अनुसार अपनी-अपनी दूरी के अनुसार दौड़ में भाग लेने की अनुमति भी दे दी गई थी। तत्पश्चात विजेताओं एवं भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार का वितरण किया गया। इस अवसर पर पुलवामा हमले में शहीद हुए जवानों की 2 मिनट का मौन रखकर उनको श्रद्धांजलि भी दी गई। रूट में जगह जगह पानी की व्यवस्था, टॉयलेट की भी उचित व्यवस्था की गई थी तथा अंत में सभी ने स्वादिष्ट रिफ्रेशमेंट का आनंद लिया। अंत में मनोज भारद्वाज नूपुर संस्थान के संस्थापक ने नगर निगम ग्रेटर जयपुर एवं अमर जैन अस्पताल WHC, वैशाली नगर जयपुर एवं सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद प्रेषित किया।

अंकित का 'दिल का यू' गाना रिलीज

जयपुर. शाबाश इंडिया

पद्मश्री उस्ताद अहमद हुसैन मोहम्मद हुसैन ने आज युवा संगीत कंपोजर अंकित भट्ट के ''दिल का यू'' नए गाने की सीडी एव पोस्टर रिलीज किया 'दिल का यू' इस गाने को स्वर दिया है युवा गायक 'सुमित सपेरा' ने गाने में संगीत और कंपोज किया अंकित भट्ट ने और इस गाने को लिखा है गीती भट्ट ने। गाने की रिकॉर्डिंग कल्पना संगीत विद्यालय स्थित राजन स्टूडियो में की गई। इस अवसर पर पंडित आलोक भट्ट, गायक गौरव जैन, संजय रायजादा, उस्ताद जफर मोहम्मद,नवल डांगी, संजय महेश्वरी, श्रीमती अंजू भट्ट सहित जयपुर के संगीत प्रेमी उपस्थित थे। इस अवसर पर कल्पना संगीत विधालय की और से पद्मश्री उस्ताद अहमद हुसैन मोहम्मद हुसैन को शॉल, स्मृति चिन्ह एवं नारियल भेंट कर सम्मानित किया गया।

सफल वो नहीं होते, जो सपने देखते हैं, सफल वो होते हैं जो सपनो पर अड़े रहते हैं आचार्य श्री सुनील सागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया

NIMS में आचार्य श्री सुनीलसागरजी गुरुदेव ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। दोपहर में अचरोल से विहार कर NIMS युनिवर्सिटी में युनिवर्सिटी के डायरेक्टर पंकज सिंह के आग्रह पर आचार्य संघ का आगमन हुआ। युनिवर्सिटी में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। तत्पश्चात पंकज सिंह ने आचार्य भगवान के पाद प्रक्षालन कर विनयांजलि प्रस्तुत करते हुए कहा कि ऐसे महान आत्माओं का हमारी युनिवर्सिटी के स्टूडेंट् को मार्गदर्शन मिल रहा है,यह हमारा सौभाग्य है। आचार्य भगवन ने अपनी मंगलवाणी में मार्गदर्शन करते हुए कहा कि; ''सफल वो नही होते ,जो सपने देखते हैं। सफल वो होते है ,जो सपनो पर अड़े रहते हैं।'' आचार्य भगवान ने कहा की मैडिटेशन ईज द बेस्ट मेडिसीन इस दौड़ती भागती जिंदगी में आध्यात्मिक जीवन जीने के लिए आचार्य भगवान ने कहा कि डॉक्टर की हैंडराइटिंग खराब हो सकती ही परंतु डॉक्टर के हाथ से कभी खराब काम नहीं हो सकता।

‘दी प्राइड ऑफ मेवाड़’ पुस्तक ‘शख्सियतें’ के तीसरे संस्करण का विमोचन

15 को प्राइड ऑफ मेवाड़ और 8 को ग्लोबल इंस्पिरेशनल अवार्ड

उदयपुर. शाबाश इंडिया

युवा पत्रकार व ग्लोबल पब्लिकेशन के डायरेक्टर रवि मल्होत्रा द्वारा प्रकाशित पुस्तक शख़्सियतें (दी प्राइड ऑफ मेवाड़) के तीसरे संस्करण का विमोचन एवं सम्मान समारोह शोभागपुरा स्थित होटल हावर्ड जॉनसन होटल में हुआ। मुख्य प्रायोजक पैसिफिक मेडिकल कॉलेज एन्ड हॉस्पिटल के साझे में आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष डॉ. आनंद गुप्ता, सेलिब्रिटी गेस्ट मिस इंडिया (2013) सिमरन आहूजा, बॉलीवुड एक्टर देव मेनारिया, सेव द गर्ल चाइल्ड की ब्रांड एंबेसडर डॉ. दिव्यानी कटारा, विकास जोशी सहित अन्य अतिथि उपस्थित थे।

इन शख़्सियतों को मिला प्राइड ऑफ मेवाड़ सम्मान

पैडमैन ब्रदर्स अब्दुल कादिर- अब्दुल अलीम, बहुआयामी कलाकार अरवा तुर्रा, स्कूबा डाइवर अनूप जाम्भानी, अंतरराष्ट्रीय मनोविश्लेषक डॉ. अंजू गिरी, प्रोफेसर म्यूजिक इंस्ट्रूमेंटल सितार डॉ. नूतन कविटकर, राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित शिक्षक दुगार्राम मुवाल, पीएफसी डायरेक्टर मीनाक्षी भैरवानी, भजन गायिका सोनू सिसोदिया, योग गुरु व नैचुरोपेथिस्ट प्रीति डेम्बला, अंतरराष्ट्रीय क्रिस्टल आर्टिस्ट वकार हुसैन, सिंगर लता सोनी, समाजसेवी राजेश भटनागर, बीइंग मानव के मुकेश माधवानी और सीए निशांत शर्मा।

ये विभूतियां ग्लोबल इंस्पिरेशनल अवार्ड से हुई सम्मानित

मॉडर्न आर्टिस्ट एम. ए. हुसैन, प्रभात सैलून की क्रिएटिव डायरेक्टर श्वेताशा पालीवाल, युवा फिल्म प्रोड्यूसर अभिषेक जोशी, डायनामिक ग्रुप और सिक्युरिटी सर्विस की एमडी मंजीत कौर बंसल, राकेश अग्रवाल, नेशनल गोल्ड मेडलिस्ट (रोड साइकलिंग) गौरांग सिंह गौड़, एडवोकेट प्रियंका पाल सिंह। कार्यक्रम का संचालन स्कॉलर्स एरिना स्कूल एन्ड कॉलेज निदेशक लोकेश जैन ने किया। समापन अवसर पर मेवाड़ की धरा पर आई इंटरनेशनल सेलिब्रिटी एंकर और मिस इंडिया (2013) सिमरन आहूजा को पुस्तक प्रकाशक रवि मल्होत्रा ने महाराणा प्रताप की मूर्ति स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट की।

रिपोर्ट: राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइल

सापुतारा में गुंजा जैनम् जयती शासनम् का नारा

सापुतारा. शाबाश इंडिया

युगप्रधान, शांतिदूत आचार्यश्री महाश्रमणजी के सुशिष्य डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी , मुनि आदित्य कुमारजी ठाणा 2 का कर्नाटक बल्लारी की तरफ विहार करते हुए सापुतारा में दो दिवसीय प्रवास जैन मंदिर उपाश्रय में रहा। जिसमें जैन धर्म के चार संप्रदायों की अध्यात्म धाराओं का मिलन ऐतिहासिक बन गया। मूर्तिपूजक संप्रदाय में तपागच्छिय आचार्य गुणरत्नसुरी के शिष्य पंन्यास देवरत्न विजयजी ठाणा 5 तथा स्थानकवासी श्रमणसंघ के आचार्य डॉ शिवमुनि की शिष्या साध्वी सुमित्राजी,डॉ सुप्रियाजी ठाणा 5 तथा लोंकागच्छिय यति प्रेमसूरीजी से डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी ठाणा 2 का सौहार्दपूर्ण मिलन हुआ। पंन्यासजी एवं साध्वीजी ने तेरापंथ संघ की अनुशासन मयार्दा व्यवस्था तथा विहार चर्या आदि अनेक विषयों पर जिज्ञासाएं की जिसका मुनिश्री ने समीचीन विश्लेषण किया। दिन में लगभग 2 घंटा और रात्रि में 2 घंटा चर्चा वार्ता का सौहार्दपूर्ण दौर चला। पंन्यासजी से आदित्य मुनि की योग ध्यान साधना के संबंध में वार्ता हुई। मुनिश्री ने आचार्यश्री के सूरत आगमन तथा ऐतिहासिक अक्षय तृतीया पर होने वाले 1008 वर्षीतप पारने होने की जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी ने फरमाया आचार्य महाश्रमणजी द्वारा उद्घोषित उपक्रम ''जैनम जयति शासनम'' के अंतर्गत हम जैन समुदाय के संत एकता की मिसाल कायम कर सकते हैं। भगवान महावीर के अनेकांतवाद को समझकर आपसी समन्वय का वातावरण निर्मित कर सकते हैं। यह आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है।

मन का विश्वास ही सारा चमत्कार दिखाता है

रोहित जैन. शाबाश इंडिया।

नसीराबाद। सभी धर्मों और सम्प्रदायों में कुछ मंत्रों, और क्रियाओं को दोहराया जाता है। इन शब्दों और क्रियाओं को दोहराने में ही जादू छुपा होता है। मन का विश्वास ही सारा चमत्कार दिखाता है। यह बात जैनाचार्य सुनील सागर महाराज के शिष्य मुनि सम्बुध्य सागर महाराज ने बुधवार को आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में धर्म सभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि मन में भरोसा है कि अमुक क्रिया करने से संकट मिटेंगे और परमात्मा की प्राप्ति होगी तो ऐसा ही होगा। बिना विश्वास के कुछ भी किया जाए, सब कुछ बेकार है। चाहें व्यापार हो या वैवाहिक रिश्ते या पढ़ाई या स्वास्थ्य, जीवन के हर क्षेत्र में पूरे मन से पूरे विश्वास से जब कुछ क्रियाओं और कुछ शब्दों को दोहराते हैं तो जीवन की हरेक उलझन और समस्या खत्म हो जाती है। इससे पूर्व मुनिद्वय सम्बुध्द सागर महाराज व संविज्ञ सागर महाराज का प्रातः नगर में मंगल प्रवेश हुआ। मुनिद्वय श्रीनगर रोड स्थित एक सर्विस सेंटर से विहार कर नसीराबाद पहुंचे जहां उनका बस स्टैंड पर जैन समाज की ओर से स्वागत किया गया और उन्हें ढोल-ढमाको के साथ जुलूस के रूप में आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर तक लाया गया।

राजस्थान जैन सभा ने बुलाई दिगम्बर जैन मन्दिरों की विशाल चिन्तन बैठक 19 फरवरी को

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर में गत दो माह से लगातार जैन मन्दिरों मे हो रही चोरी की वारदातों को देखते हुए राजस्थान जैन सभा द्वारा 19 फरवरी, 2023 को प्रातः 10.00 बजे भट्टारक जी नसियाँ, में चिन्तन बैठक बुलाई गई है । अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं महामंत्री मनीष बैद ने बताया कि चिन्तन बैठक में सुरक्षा सर्वोपरि के माध्यम से मन्दिरों की सुरक्षा के सम्बन्ध मन्दिर प्रबन्धसमितियों के सदस्यों से चर्चा की गई जावेगी। बैठक में सभी जैन मन्दिरों के पदाधिकारियों को बुलाया गया है।

सुरक्षा सर्वोपरि

जिन-मन्दिरों में लगातार हो रही चोरियों की वारदातों पर
जयपुर के समस्त दिगम्बर जैन मन्दिरों की
प्रबन्ध समितियों की अति-आवश्यक
...चिन्तन बैठक...

रविवार-19 फरवरी, 2023
समय-प्रातः 10.00 बजे
स्थान-बड़जात्या सभागार,
भट्टारक जी की नसियाँ, जयपुर

आप सादर आमंत्रित है।
कृपया पधारें
: निवेदक :
राजस्थान जैन सभा, जयपुर
समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य